एम.पी.ए.

एम.ए (लोक प्रशासन)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2023–24

एम.ए लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए

जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्रों के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2023.2024

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ.साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यो ं को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2023 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रेल 2024 31 अक्टूबर 2024	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशो ं को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) नियोजन : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें आ ैर इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) चयन : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से द ेने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संब ंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ.साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

क) प्रस्तुति : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ.साफ लिख लें। जिन

बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) व्याख्या : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद बखुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ.साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–015 लोक नीति और विश्लेषण

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःएम.पी.ए.-015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2023–जनवरी 2024
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

सत्रीय कार्य I

1) नीति चक्र के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए। 20

2) तर्कसंगत नीति–निर्माण मॉडल का परीक्षण कीजिए। 20

3) नीति प्रक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 20

4) नीति–निर्माण में कैबिनेट सचिवालय की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 20

5) नागरिक समाज संगठनों के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। 20

सत्रीय कार्य II

6) नीति कार्यान्वयन के विभिन्न दृष्टिकोणों/मॉडलों पर चर्चा कीजिए। 20

7) नीति कार्यान्वयन में समस्याओं की जांच कीजिए। 20

8) नीति निरीक्षण के विभिन्न दृष्टिकोणों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

9) नीति विश्लेषण की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए। 20

10) भारत की विनिवेश नीति का मूल्यांकन कीजिए। 20

एम.पी.ए.–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2023–जनवरी– 2024
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खंड–I

1) भारत में विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों की चर्चा कीजिए। 20

2) 'सशक्तिकरण भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का एक प्रमुख घटक है'। टिप्पणी कीजिए। 20

3) समाज में संशोधन के व्यापक वितरण के संदर्भ में जनता की वितरण की प्राथमिकता को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए। 20

4) विकेंद्रीकृत विकास के प्रभाव का वर्णन कीजिए। 20

5) नई पंचायती राज व्यवस्था की कमजोरियों का परीक्षण कीजिए। 20

खंड– I

6) 74 वें संविधान संशोधन अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 20

7) ग्यारहवीं अनुसूची के संदर्भ में अंतर–स्तरीय जिम्मेदारियों पर चर्चा कीजिए। 20

8) विकास योजना में प्रमुख आवश्यकताएं क्या हैं? 20

9) लघु स्तरीय की योजना से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डालिए। 20

10) स्थानीय निकायों के संसाधनों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

एम.पी.ए.–017 : ई– शासन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-017

सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2023–जनवरी– 2024

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड क और खंड ख शामिल हैं। प्रत्येक खंड में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्न उत्तर (प्रत्येक) लगभग 400 शब्दों में देने हैं। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खंड – क

1) ई–शासन के महत्व पर चर्चा कीजिए। 10

2) प्रशासन में भौगोलिक सूचना प्रणाली और प्रबंधन सूचना प्रणाली की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

3) मौजूदा संगठन संस्कृति में सुधार लाने के लिए व्यवस्थाओं की जांच कीजिए। 10

4) ग्रामीण विकास में सूचना संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की भूमिका को विस्तृत कीजिए। 10

5) आंध्र प्रदेश में ई–पंचायत परियोजना के कार्यान्वयन का विश्लेषण कीजिए। 10

खंड – क

6) डिजिटल पोर्टफोलियो की अवधारणा और महत्व पर चर्चा कीजिए। 10

7) डिजिटल पोर्टफोलियो और डिजिटल लाइब्रेरी के महत्व का विश्लेषण कीजिए। 10

8) नागरिक सेवाएं प्रदान करने में सूचना संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 10

9) आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम नगर निगम की सौकार्यम परियोजना का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 10

10) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

एम.पी.ए.–18 : आपदा प्रबंधन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2023–जनवरी– 2024
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड ।और ॥ हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खंड – I

1) बढ़ती हुई आपदाओं की ओर ले जाने वाले महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों का परीक्षण कीजिए। 10

2) आपदा प्रबंधन चक्र के विभिन्न पहलुओं पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

3) आपदा तैयारी में शामिल प्रमुख मुद्दों का विश्लेषण कीजिए। 10

4) आपदा प्रबंधन में निगमीय या कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 10

5) आश्रय व्यवस्था में महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए। 10

खंड – II

6) आपदा राहत प्रशासन में समस्याओं का परीक्षण कीजिए। 10

7) इंसिडेंट कमांड सिस्टम पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

8) क्षति रिपोर्ट के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए। 10

9) आपदाएं विकास का अवसर प्रदान कर सकती हैं' इस कथन पर टिप्पणी कीजिए। 10

10) उन महत्वपूर्ण कौशलों और तकनीकों पर प्रकाश डालिए, जिनकी आपदा प्रबंधक को जानकारी होनी चाहिए। 10

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–002: शोध पद्धतियाँ और कार्यविधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोडः एमएसओ–002

सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–24

अधिकतम अंकः 100

अधिभारिताः 30%

भाग–।

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिएः

1. क्षेत्र शोध के लाभ एवं सीमाओं पर चर्चा कीजिए। 25
2. सहभागी शोध से आप क्या समझते हैं? उचित उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए। 25
3. समाजशास्त्रीय शोध में आँकड़ा विश्लेषण को परिमाणात्मक विधियों की प्रासंगिकता की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25
4. सामाजिक शोध की विधि के रूप में केस अध्ययन का वर्णन कीजिए। 25
5. समाजशास्त्रीय शोध में नैतिकता की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 25

भाग–।।

निम्नलिखित विषयवस्तुओं में से किसी *एक*पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

i) भारत में शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता 50

ii) भारतीय युवा और सोशल मीडिया 50

iii) सड़क विक्रेता और भारतीय समाज 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन संग्रहित करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर अपनी रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचे में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- चयनित मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे मेंएक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों की प्रस्तुति संसक्त रूप से करें और
- अंत में उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रमकोडः एमपीएस-003

सत्रीय कार्यकोड : एएसएसटी/टीएमए/2023-24

पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग–I

1. स्वतंत्रता पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.आई.) के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।
2. भारतीय संविधान में उल्लेखित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धान्तों की सुधारवादी क्षमता का मूल्यांकन कीजिए।
3. ''नागरिकों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा हेतु न्यायपालिका सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है।''चर्चा कीजिए।
4. भारतीय संघीय व्यवस्था में केंद्र की ओर झुकाव के कारणों का परीक्षण कीजिये।
5. **निम्नलिखित विषयों पर करीब 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः**

   क) उच्चन्यायालयों का क्षेत्राधिकार

   ख) संसदीय सम्प्रभुता

भाग–II

6. बाज़ार अर्थव्यवस्था क्या है? इसके लाभ और नुकसानों का परीक्षण कीजिए।
7. भारत में आर्थिक उदारीकरण के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
8. भारतीय राजनीति में क्षेत्रवाद की व्याख्या कीजिए।
9. सतत विकास के मापन व आकलन हेतु प्रमुख संकेतकों की चर्चा कीजिए।
10. **निम्नलिखित विषयों पर करीब 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः**

    क) जेन्डर समानता

    ख) नियोजित अर्थव्यस्था